

# बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”



पटना, वर्ष: 6, अंक: 315, बुधवार, 31 दिसंबर 2025 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8

9471060219, 9470050309

www.bordernewsmirror@gmail.com



कुडवायेनपुर में चोर गिरोह धराया, चोरी की बाइक व औजार जब्त...

03



दमोहति गांव में छापेमारी, 80 लीटर चुलाई शराब बरामद...

04

टॉकिसक से कियारा के बाद हुमा कुरैशी का फर्स्ट लुक आउट...

07

## ये हैं दुनिया के सबसे खूबसूरत घेरे...

- 100 मोस्ट ब्यूटीफुल फेसेज की लिस्ट जारी, 3 भारतीय महिलाएं भी शामिल



नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 के लिए '100 मोस्ट ब्यूटीफुल फेसेज' की लिस्ट जारी कर दी गई है।

इस बार लिस्ट में पहला स्थान दर्शकों कोरियों के के-पॉप ब्यूटीफुल की थाई सिंगर फरीता रही। ल्कपिंक की जीसू 11वें, तिसा 22वें और जेनी 46वें स्थान पर रही। लिस्ट में हॉलीवुड एक्ट्रेस जेडाका को 23वां और मार्गारेट रोबी को 83वां स्थान मिला। वहीं इंटरनेशनल सिंगर सबरीना कारपेंटर 91वें और दुआ लीपा 100वें स्थान पर रही। 100 मोस्ट ब्यूटीफुल फेसेज की लिस्ट में भारतीय की भी 3 महिलाएं शामिल हैं।

यह लिस्ट अमेरिकन संस्कृती टीवी कैलेबर ने जारी की है। बता दें कि इस लिस्ट में हर साल 1 लाख से ज्यादा महिला सेलेब्रिटीज़ में से सिर्फ 100 घेरों को चुना जाता है। इसके लिए सिर्फ सुन्दरता ही नहीं, बल्कि शालीनता, सलीका, मौलिकता, जूनून और गंभीरता जैसे गुणों को ध्यान में रखा जाता है।

डॉक्टरों ने की घुटने की सर्जरी, होश आने पर फर्टिदार विदेशी भाषा बोलने लगा 17 साल का लड़का



नीदरलैंड (एजेंसी)। 17 साल के एक लड़के को फुटबॉल खेलते हुए घुटने में गंभीर चोट लग गई। इसके बाद उनके घुटने का ऑपरेशन की गया जो, जो बिना किसी सर्जिकल कार्यक्रम के पूरा हो गया। लेकिन लड़के में एक बलाव आने की वजह से पूरे स्टाफ का दिमाग का चक्रण गया। दरअसल वो बेहोशी से उठने के बाद अपनी भाषा बोलने लगा और कहता कि वो यूनाइटेड स्टेट्स में रहता था। यहां से कि वो अपने माता-पिता और अपनी भाषा को ना समझ पा रहा था और ना बोल पा रहा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नीदरलैंड का एक लड़का एनेस्ट्रीसिया के असर से उठने के बाद अचानक अपनी मातृभाषा डर की जगह इंग्लिश बोलने लगा।

बंगाल में बोले अमित शाह

## घुसपैठ रोकने के मुद्दे पर होगा 2026 का युनाव; यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला

- शकुनि का चेला जानकारी लेने आया, घुसपैठ सिर्फ बंगाल से तो नहीं

पहलगान हमला आपने कराया: सीएम ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा है कि शकुनि का चेला दुश्मान बाल में जानकारी जुटाने आया है। जैसे ही दुश्मान और दुर्योधन दिखाइ देने लगते हैं। आज बोजेपी कह रही है कि ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो फिर पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसने दी।

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-

बोजेपी कहती है कि घुसपैठिये सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या पहलगान में हमला

ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो किसे पेट्रोलियम और अंडाल में जमीन बिसना होगा?

बांकुरा में आरोजित कार्यक्रम में ममता ने कहा-





# महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति पर बढ़ा विवाद, शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी को कानूनी नोटिस

बीएनएम @ मोतिहारी : नीरज आनंद

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, (बिहार) के कुलपति पद पर प्रो. संजय श्रीवास्तव की नियुक्ति को लेकर विवाद और गहरा गया है। इस मामले में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के साथ-साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यजीसी) के सचिव को भी दीवानी डट से 10 साल चाहे ना का प्रमोशन अप्रूवक के डेट से। बताया गया कि कानूनी नोटिस अधिवक्ता के माध्यम से डॉ. संदीप पहल की ओर से प्रेषित किया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कुलपति पद हेतु निर्धारित वैधानिक पात्रता शर्तों का उल्लंघन कर प्रो. संजय श्रीवास्तव की नियुक्ति की गई है।

(यूजासा) के साचव का भा दावाना प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 80 के अंतर्गत औपचारिक कानूनी नोटिस भेजा गया है। हालांकि, उक्त मुद्रे पर 'बीएनम' के सवालों का जवाब देते हुये, विश्वविद्यालय के प्रॉफ्टर प्रो. (डॉ) प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि किसी भी कानूनी नोटिस को अवश्य जवाब दिया जायेगा। वैसे 10 साल अनुभव वाला क्लाज



का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत काशी हिंदू विश्वविद्यालय

से प्राप्त सूचना के आधार पर यह दावा किया गया है कि प्रो. संजय श्रीवास्तव को 4 अक्टूबर 2012 को ही कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सी.ए.एस) के अंतर्गत प्रोफेसर पद पर पदोन्नति मिली थी। परन्तु मैं

पद पर पदान्त्रात मल था। एस म जून 2022 की आवेदन अंतिम तिथि तक उनके पास आवश्यक 10 वर्षों का अनुभव नहीं था। इस संदर्भ में पटना उच्च न्यायालय के निर्णय राम टवाक्या सिंह बनाम बिहार राज्य (2015) का हवाला दिया गया है, जिसमें यह स्पष्ट किया गया था कि प्रोफेसर के रूप में अनुभव की गणना वास्तविक पदान्त्रति की तिथि से ही होगी। (Ram Tawakya Singh vs. State of Bihar, CWJC No. 16680 of 2014 (decided on 18.12.2015), has categorically held that फुलब्राइट संबद्धता का ल विरोधाभासी दावे: कानूनी नो में प्रो. श्रीवास्तव के बायोडाट फुलब्राइट संबद्धता को लेकर क विरोधाभासों का भी उल्लेख है। 2016-17 में अमेरिकन यूनिवर्सिटी में उनकी भूमिका को एक स पर “Fulbright Visiting Professor” और दूसरे स्थान “Fulbright Visiting School” बताया गया है। नोटिस में कहा है कि ये दोनों पदनाम अकादमी रूप से भिन्न हैं और इन्हें एक-के स्थान पर उपयोग नहीं किया सकता।

उत्तराखण्ड हाइकोर्ट के हालिया आदेश से जुड़ा मामला:- गौरतलब है कि इसी प्रकार के एक अन्य मामले में उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय ने एक सप्ताह पहले विश्वविद्यालय अनदान आयोग और शिक्षा मंत्रालय है, जिसमें कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर वैधानिक उल्लंघन सामने आए हैं। इससे केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शीर्ष पदों पर नियुक्तियों की प्रक्रिया, सत्यापन तंत्र और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जुनुन जानना और रसायन मन्त्रालय को नोटिस जारी किया है। यह मामला हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह की नियुक्ति से जुड़ा है, जहाँ भी 10 वर्ष के प्रोफेसर अनुभव की अनिवार्यता पूरी न होने का आरोप लगाया गया है। जांच और कार्रवाई की मांगः- नोटिस में शिक्षा मन्त्रालय और यूजीसी से इस पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कराने, पात्रता की पुनः समीक्षा कराने, संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तथ्य करने तथा यदियद आरोप सही पाए जाएं तो कुलपति की नियुक्ति रद्द करने की मांग।

अवैध नियुक्ति का आरोप:- कानूनी नोटिस में यह भी रेखांकित किया गया है कि महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद यह तीसरा लगातार मामला की गई है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि यदि 60 दिनों के भीतर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है, तो मामला संक्षम न्यायलय में ले जाया जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

## अनुमंडलीय अस्पताल के सामने चल रहे अवैद्य नर्सिंग होम में महिला की मौत

बीएनएम @ अरेराज : उज्ज्वल मिश्रा

## स्वरांजलि सेवा संस्थान ने कड़ाके की ठंड में बाँटी राहत

बीएनएम @ बगहा

## एसएसबी 47वीं बटालियन द्वारा सेनुवारिया गांव में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

बीजनाम @ रत्नसौल



से दोपहर 11:50 बजे तक किया गया। इस अवसर पर सहायक कम्पांडेंट श्री दीपांशु चौहान 10 जवानों के साथ उपस्थित रहे। शिविर में ग्रामीणों की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिली, जहां 100 से अधिक ग्रामीणों ने निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। चिकित्सा शिविर के दौरान ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच बताया कि इस प्रकार के चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य सीमावर्ती एवं बाह्यांत्रिक विलेज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा एसएसबी और स्थानीय जनता के बीच विश्वास, सहयोग एवं सद्भाव को और अधिक मजबूत करना है।

मंत्री, रमन सिंह को सचिव तथा अभिनव शर्मा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके साथ ही विशाल शर्मा को एसएफएस प्रमुख, कृष्ण ठाकुर को एसएफडी प्रमुख और अर्जुन कुमार को सोशल मीडिया प्रभारी का दायित्व दिया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने नव-निवार्चि पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उम्मीद जता कि नई टीम छात्र हितों की रक्षा, कॉलेजों की समस्याओं के समाधान एवं राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूती देने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगी।

तीन महिला शराब तस्कर सहित पांच गिरफ्तार, भारी मात्रा में शराब जप्त

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर तीन महिला शराब तस्कर को शराब के साथ गिरफ्तार किया है। जबकि एक फरार हो गई। पकड़े गए महिला तस्करों में कवलपुर डीह के बच्चे महतो की पत्नी मानकी देवी, शंकरसरैया रामसिंहटोला के राजेन्द्र महतो की पत्नी प्रतिमा देवी व गोपालचौक के स्व बृजननंद पासवान की पत्नी बचिया देवी है। बताया जाता है कि पुलिस को सूचना मिली कि मानकी देवी अपने घर में शराब बिक्री कर रही है। सूचना पर पुलिस उक्त स्थल पर पहुंची। पुलिस को देख एक महिला भागने लगी। जिसे पकड़ा गया। घर की तलाशी ली गई तो प्लास्टिक के बालटी में 20 लीटर और दो तसली में रखे 25 लीटर चुलाई शराब बरामद हुआ। वही दूसरी छापेमारी के लिए प्रतिमा देवी के घर के समीप पुलिस पहुंची। जहां पुलिस को देख वह भागने लगी। पुलिस बल के सहयोग से उसे पकड़ लिया गया। घर की तलाशी ली गई तो 30 लीटर देशी शराब बरामद हुआ। साथ ही तीसरी छापेमारी बचिया देवी के घर हुई। जहां भागने के क्रम में महिला सिपाही दौड़कर उसे पकड़ ली। बचिया देवी के फूस के घर कि तलाशी ली गई।



करीब 20 लौटर शराब बरामद हुआ। पकड़ी गई महिला से पृष्ठताछ की गई। तो बताई की यह शराब शंकरसरैया अहिरटोली के एक करोबारी से लेकर वह खुदरा में बेचती थी। इधर कवलपुर डीह में शराब के विशुद्ध छापेमरी के दौरान दो लोग सड़क पर शराब पी कर लड़खड़ाते हुए शोरगुल कर रहे थे। पुलिस ने दोनों को अभिरक्षा कान्ही टोला के संजय पासवान तो दूसरा मलाही टोला के धर्मेंद्र सहनी बताया। इस दौरान उनके मूँह से शराब पीने की गंध आ रही थी। ब्रेथेस एनलाइजर से जांच हुआ तो शराब पीने की पुष्टि हुई। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर पकड़े गए आरोपियों को न्यायिक हिंगसत में भेज दिया गया है।

मेसी की झलक- उनका खेल नहीं- दिखाने का जो तमाशा हुआ, वह अजीबोगरीब ही है। इसीलिए अभिनव बिंद्रा की इस सलाह पर सबको ध्यान देना चाहिए कि 'मेसी का जयगान कर लेने के बाद अब वहत आत्म-निरीक्षण का है। अभिनव बिंद्रा ने वह कहा, जो आखिरकार किसी को कहना चाहिए था। विनेश फोगर ने उसमें अपना स्वर जोड़ा, तो उससे वो बात और वजनदार हुई है। लायोनेल मेसी बेशक फुटबॉल के सर्वकालीन सबसे महान खिलाड़ियों में एक हैं। उनकी उपलब्धियां बेशुमार हैं। इस कारण उनके प्रशंसक भारत सहित दुनिया भर में मौजूद हैं। अतः लोग मेसी को देखना चाहें, तो उसमें कुछ अज्ञान नहीं है। लेकिन जब लोगों की इस इच्छा का भौंडा कारोबारी इस्तेमाल हो, तो उस पर सवाल उठाना जरूरी हो जाता है। तो ओलिंपिक्स में भारत के पहले व्यवितरण स्वर्ण पदक विजेता ने पूछा है कि क्या एक समाज के तौर पर हम खेल संस्कृति बना रहे हैं, या किंवदंती बन चुकी दूर देश की किसी शार्खिसयत का उत्सव भर मना रहे हैं। उनकी ये टिप्पणी गौरतलब हैं: 'करोड़ों रुपये मेसी के पास जाने और उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए खर्च कर दिए गए। यह बिल्कुल ठीक बात है कि पैसा लोगों का है और यह उनका आधिकार है कि वे इसे कैसे खर्च करें।' फिर भी मैं यह सोच कर तकलीफ महसूस करता हूं कि जितनी ऊर्जा एवं धन लगाए गए, उसका एक हिस्सा भी अगर अपने देश में खेल की बुनियाद में लगाया गया होता, तो उससे यथा हासिल हो सकता था। ० ओलिंपियन विनेश फोगर ने कहा है- 'मैं उम्मीद करती हूं कि कोई वहत आएगा, जब हम सिर्फ एक दिन के लिए नहीं, बल्कि हर दिन के लिए सचमुच खेल के लिए जाग सकेंगे।' इन टिप्पणियों में एक बेमकासद तमाशों को देख कर दो ऐसे खिलाड़ियों का दर्द झलका है, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। जिस देश में खिलाड़ियों के आगे बढ़ने की राह में खराब इन्फ्रास्ट्रक्चर और संसाधनों की कमी से लेकर यौन शोषण के खतरों तक की बाधाएं आती हों, वहां एक मशहूर विदेशी खिलाड़ी की झलक- उनका खेल नहीं- दिखाने का जो तमाशा हुआ, उस पर आक्रोश ही जताया जा सकता है। इसीलिए बिंद्रा की इस सलाह पर सबको ध्यान देना चाहिए कि 'मेसी का जयगान कर लेने के बाद अब वहत आत्म-निरीक्षण का है।'

# नये वर्ष में अनुत्तरित सवालों के जबाबों की तलाश

## ललित गर्ग

एक और वर्ष इतिहास के पत्रों में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2025 केवल कैलेंडर का एक अंक नहीं था, बल्कि वह घटनाओं, चेतावनियों, उपलब्धियों और विडंबनाओं का ऐसा संगम रहा, जिसने समाज, राजनीति और विकास की हमारी समूची अवधारणाओं को कठघरे में खड़ा किया। नये वर्ष में प्रवेश करते समय यह केवल उल्लास, संकल्प और शुभकामनाओं का क्षण नहीं है, बल्कि गहरे आत्मसंरथन का अवसर भी है। सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, सवाल यह है कि बीते वर्ष ने हमें क्या सिखाया और हम उन सीखों को अपने जीवन, नीतियों और प्राथमिकताओं में कितना उतार पाए। हर नया वर्ष अपने साथ उम्मीदों की नई रोशनी लेकर आता है, लेकिन वह बीते वर्ष की छायाओं से मुक्त नहीं होता। उन छायाओं को समझना और उनसे सबक लेना ही नये वर्ष की सच्ची शुरुआत है। वर्ष 2025 की ओर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत और विश्व दोनों स्तरों पर विकास और संकर साथ-साथ चले। एक ओर भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतर्रक्षि विज्ञान, बुनियादी ढांचे और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति को मजबूत किया, वहीं दूसरी ओर पहलगाम की आतंकी घटना, पर्यावरणीय आपदाएं, महांगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और चिकित्सा की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमता और राजनीतिक अविश्वास जैसे प्रश्न और भी

और आशाओं का संचार हुआ है। स्थर शासन, सुधारों की निन्तरता और वैशिक साझेदारियों के बल पर भारत का तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना अब एक दूर का स्वप्न नहीं, बल्कि साकार होता परिदृश्य प्रतीत होता है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख, नक्सलादासुकृत भारत और अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भर, नवोन्मेषी गति-इन तीनों ने मिलकर भारत को विश्व मंच पर निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। पर्यावरण वर्ष 2025 की सबसे बड़ी चेतावनी बनकर सामने आया। जलवायु परिवर्तन अब केवल वैज्ञानिक रिपोर्टें या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय नहीं रहा, बल्कि वह आम आदमी के जीवन का कठोर यथार्थ बन चुका है। हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन, उत्तर भारत में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, महानगरों में दमाणों प्रदूषण और तटीय इलाकों में चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता-ये सभी घटनाएं एक ही संकट की अलग-अलग अभियक्तियां हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, केरल, पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों में आई प्राकृतिक आपदाओं ने यह दिखा दिया कि प्रकृति से खिलवाड़ का मूल्य सबसे पहले गरीब और वर्चित चुकाते हैं। विकास की अधी दौड़ में जब पहाड़ों को काटा जाता है, नदियों को बांधा जाता है और जंगलों को उजाड़ा जाता है, तो उसका परिणाम विनाश के रूप में सामने आता है। नये वर्ष में यह सवाल हमारे सामने खड़ा

है कि क्या विकास का अर्थ केवल सड़कें, पुल, सुरंगें और ऊंची इमारतें हैं, या वह जीवन, प्रकृति और भविष्य की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। जब तक पर्यावरणीय संतुलन को विकास नीति के केंद्र में नहीं रखा जाएगा, तब तक हर नया साल नई आपदाओं की आहट लेकर आता रहेगा। वर्ष 2025 ने हमें यह सोचने को विवश किया है कि प्रकृति के साथ समंजस्य ही स्थायी विकास का एकमात्र रास्ता है। प्रदूषण और स्वास्थ्य का संकट भी 2025 में और अधिक गहराया। दिल्ली-एनसीआर सहित अनेक शहरों की हवा लंबे समय तक 'गंभीर' श्रेणी में बनी रही। यह केवल प्रदूषण के अंकड़े नहीं थे, बल्कि कराड़ों लोगों के स्वास्थ्य पर मंडराता खतरा था। जल प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे और रासायनिक अपशिष्ट ने गांवों और कस्बों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सवाल यह है कि क्या आर्थिक विकास के नाम पर हम अपने ही जीवन स्रोतों को नष्ट करने के लिए तैयार हैं। नया वर्ष यह सोचने की प्रेरणा देता है कि स्वास्थ्य केवल अस्पतालों और दवाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और सुरक्षित पर्यावरण उसका मूल आधार है। शिक्षा के क्षेत्र में 2025 ने कई कड़वी सचिवाइयों को उजागर किया। विदेशों में पढ़ाई लगातार महंगी होती गई और देश के भीतर निजी शिक्षा संस्थानों की फीस मध्यम वर्ग की पहुंच से भी बाहर होती चली गई। शिक्षा का बढ़ता बाजारीकरण गरीबी के दुष्क्रियों को और मजबूत कर रहा है। गरीब का बच्चा शिक्षा से वंचित रहता है और अशिक्षा उसे फिर उसी गरीबी में धकेल देती है। बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, चौराहों और कारखानों में काम करते बच्चों की तस्वीरें विकास के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। नया वर्ष यह गंभीर सवाल सामने रखता है कि क्या शिक्षा अधिकार है या विशेषाधिकार। यदि शिक्षा वास्तव में राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला है, तो उसे बाजार की वस्तु क्यों बना दिया गया है। चिकित्सा व्यवस्था भी 2025 में आप आदमी की सबसे बड़ी चिंता बनी रही। सरकारी योजनाओं और दरावों के बावजूद गंभीर बीमारी आज भी आर्थिक तबाही का कारण बन जाती है। निजी अस्पतालों की मनमानी, महंगी जांचें और दवाइयों की बढ़ती कीमतें यह प्रश्न खड़ा करती हैं कि क्या जीवन भी अब खरीदने-बेचने की वस्तु बन गया है। नया साल यह मांग करता है कि स्वास्थ्य को सेवा के रूप में पुनर्पर्भाषित किया जाए, न कि मुनाफे के साधन के रूप में। महामारी और आपदाओं के अनुभव यह सिखाते हैं कि मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली ही किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति होती है। भ्रष्टाचार और राजनीति का संकट भी 2025 में लगातार चर्चा का विषय बना रहा। आरोप-प्रत्यारोप, घोटालों की खबरें और राजनीतिक कदुका ने लोकतंत्र के प्रति आमजन के विश्वास को कमज़ोर किया। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि वह जनविश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही की निरंतर परीक्षा भी है। जब जनता को यह महसूस होता है कि नीतियां उसके हितों के बजाय कुछ चुनिदा वर्गों के लिए बन रही हैं, तो असंतोष और निराशा जन्म लेती है। नया वर्ष यह सवाल उठाता है कि क्या राजनीति सेवा का माध्यम बनेगी या केवल सत्ता का साधन बनी रहेगी। वर्ष 2025 ने हमें यह सिखाया कि चुनौतियां केवल समस्याएं नहीं होतीं, वे भविष्य की दिशा भी तय करती हैं। पर्यावरण संकट हमें टिकाऊ विकास की ओर बुलाता है, शिक्षा और स्वास्थ्य की चुनौतियां हमें मानवीय मूल्यों की याद दिलाती हैं और गरीबी व भ्रष्टाचार हमें सामाजिक न्याय की अनिवार्यता समझाते हैं। नये वर्ष की नीव इन्हीं अनुभवों और सबकों के सहारे आगे बढ़ सकती है। यदि हम विकास को प्रकृति-संवेदनशील बनाएं, शिक्षा और चिकित्सा को लोककल्याण का आधार मानें, राजनीति में नैतिकता और प्रशासन में पारदर्शिता स्थापित करें और गरीबी उन्मूलन को केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविकता में उतारें, तो नये वर्ष का स्वागत सार्थक होगा। नया साल कोई जार्ओर समाधान नहीं लाता, वह केवल एक अवसर देता है-अपने अनुत्तरित सवालों से इमानदारी से ज़ूझने का। यदि हम 2025 की घटनाओं से प्रेरणा लेकर 2026 में सही प्रश्न पूछने का साहस कर पाएं, तो उनके उत्तर स्वतः रस्ता बना लेंगे। यही नये वर्ष की सच्ची कामना, संकल्प और सबसे बड़ी उपलब्धि हो सकती।

खुली किताबें, बंद मन और बच्चों के तनाव की आज के परिपेक्ष्य की यही अनसुनी कहानी हो रहे हैं, चिंता, थकान, डर और कि उनकी कीमत उनके अंक हैं। है। इंस्ट्राग्राम की गील्स यूट्यूब के अब भी पीछे है। रिपोर्ट कहती है द्वारा डाले गए संस्कार इतने अमिल

## ફાન્સાલ માર્કિટ

कक्षा में किताबें खुली हैं, बोर्ड पर सूत्र चमक रहे हैं, स्क्रीन पर स्लाइड बदल रही है, पर बच्चे का मन कहीं और अटका है। होमर्क की पूरा है, यूनिफॉर्म सलीके में है, चेहरे पर अभ्यास की हुई मुस्कान भी है, फिर भी भीतर एक अदृश्य बोझ हर पल भारी होता जा रहा है। आज की शिक्षा व्यवस्था में यह दृश्य असामान्य नहीं रहा। यह उस पीढ़ी की चुप्पी है जो बोलना चाहती है, पर समय, अपेक्षाओं और तुलना के शोर में उसकी आवाज ढब जाती है। द स्टूडेंट स्ट्रेस इंडेक्स 2026 की रिपोर्ट ने इसी ढबे हुए सच को सामने रखा है। देशभर के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और स्कूल-इकाइसिस्टम से जुड़े लोगों से बातचीत के बाद यह स्पष्ट हुआ कि कक्षा में बैठा हर दूसरा बच्चा रोज तनाव में जी रहा है। रिपोर्ट बताती है कि प्रतिदिन 63 प्रतिशत विद्यार्थी तनाव का अनुभव करते हैं। यह कोई क्षणिक बेचैनी नहीं, बल्कि लगातार साथ चलने वाली चिंता है। कक्षाओं में अब प्रश्न बदल रहे हैं, विषय और पाठ्यक्रम से जुड़े सवाल कम बढ़ रहे हैं। यह परिवर्तन केवल भाषा का नहीं, बल्कि मानसिक स्थिति का संकेत है। बच्चे अब पढ़ाई से पहले अपने मन का बोझ उतारना चाहते हैं। दिलचस्प यह है कि इसी रिपोर्ट का दूसरा पहलू उम्मीद जगाता है। तनाव के बीच विद्यार्थी इन मुद्दों पर खुलकर बातचीत भी करने लगे हैं। मानसिक स्वास्थ्य अब वर्जित विषय नहीं रहा। शिक्षक भी पहले से अधिक संवेदनशील होकर सुनने, समझने और संभालने की काशिश कर रहे हैं। बदलते हालातों में कक्षा का शिक्षक ही वह पहला कंधा बनता दिख रहा है, जिस पर बच्चा सिर रखकर कह सके, आज मैं ठीक नहीं हूँ। फिर भी तस्वीर पूरी तरह उजली नहीं है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि शिक्षक विद्यार्थियों के तनाव को पहचान तो लेते हैं, पर अक्सर उनके जवाब समस्या को नजरअंदाज करने वाले होते हैं। पाठ्यक्रम और पढ़ाने के तरीके भी ढबाव को बढ़ाते हैं। कम समय में अधिक सीखने की होड़, लगातार आकलन, और परिणाम-केंद्रित सोच बच्चों को यह संदेश देती है

जब सीखने से ज्यादा सफलता पर जोर हो, तो असफलता का डर स्वाभाविक है। यही डर कई बार आत्मविश्वास को चुपचाप खा जाता है। तनाव के कारणों में अभिभावकों की अपेक्षाएँ सबसे आगे हैं। लगभग 42 प्रतिशत विद्यार्थी महसूस करते हैं कि उनसे उम्मीदें इन्हीं अधिक हैं कि वे साँस नहीं ले पाते। पढ़ाई के साथ अतिरिक्त गतिविधियों का बोझ अलग है। स्कूल के बाद कोचिंग, कोचिंग के बाद प्रैक्टिस, और बीच-बीच में टेस्ट—बच्चे का दिन एक दौड़ बन जाता है, जिसमें ठहराव का कोई स्टेशन नहीं। 43 प्रतिशत विद्यार्थी सामाजिक मुद्दों या करियर की अनिश्चितता के कारण तनाव झेलते हैं। 18 प्रतिशत प्रतिस्पर्धा के कारण तनाव में रहते हैं। और 66 प्रतिशत बच्चे दबाव और चिंता की शिकायत लेकर शिक्षक तक पहुँचते हैं। ये आँकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि हर घर और हर कक्षा की कहानी हैं। इस कहानी में सोशल मीडिया ने तनाव को एक नया आयाम दिया है। आभासी दुनिया ने अपेक्षाओं और आकंक्षाओं को एक अलग मुकाम पर पहुँचा दिया

जब ना पाए हा रपाट कहा है कि इस मामले में विद्यार्थी आगे हैं और स्कूल पीछे। अधिभावक भी मानते हैं कि तकनीकी बदलाव में स्कूलों की रपतार धीमी है। तकनीक यदि सहारा बने तो सीखने को आसान कर सकती है, पर बिना दिशा के वही तकनीक दबाव का कारण बन जाती है। इन सबके बीच एक बुनियादी सवाल उठता है। क्या शिक्षा का उद्देश्य केवल पेट भरने की योग्यता देना है? बच्चे से पूछें कि वह विद्यालय क्यों आता है, तो उत्तर मिलेगा पढ़ने के लिए। पढ़कर क्या करेगा? नौकरी। नौकरी क्यों जीवन-यापन। यह सीधी रेखा हमें कहीं न कहीं यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम मानव को मानव बनाने का लक्ष्य भूलते जा रहे हैं। विद्यालयों में विज्ञान, गणित और भूगोल पर जोर है, पर नैतिकता, करुणा और आत्म-संतुलन की शिक्षा हाशिये पर है। भारी बस्ते ज्ञान का प्रतीक बन गए हैं, पर हल्का मन दुर्लभ होता जा रहा है। यहीं संस्कारों की बात सामने आती है। संस्कार केवल परंपरा नहीं, जीवन को संभालने की कला है। बचपन में माता-पिता द्वारा, विशेषकर माँ

द्वारा डाल गए संस्कार इन आमट देते होते हैं कि जीवन-पर्यन्त साथ देते हैं। इतिहास गवाह है। ध्रुव को अमर बनाने में माता सुनीति के संस्कार थे, शिवाजी के शौर्य में जीजाबाई की शिक्षा। महात्मा गांधी इंलैंड के भोग-विलासी वातावरण में भी अपने मूल्यों से डिंगे नहीं, क्योंकि वह न ने धर्म और अहिंसा के बीज बचपन में ही बो दिए थे। आज जब बच्चे बाहरी दबावों से घिरे हैं, जब घर का वातावरण उनका पहला सुरक्षित किला बन सकता है। माँ की भूमिका यहाँ केवल भावनात्मक नहीं, नैतिक भी है। विनम्रता और नेहरंकारिता जैसे गुण सिखाएं बिना शक्षा अशुरी रह जाती है। वह कथा याद आती है, जिसमें एक माँ अपने उच्च पदस्थ बेटे के अहंकार पर उसे आईना दिखाती है। यह आईना आज के संदर्भ में और भी जरूरी है। सफलता यदि विनय से खाली हो, तो वह फिसलन बन जाती है। बच्चे ताप सफलता पर रहते हैं। उन पर जो लिखा जाए, वही गहरा उत्तरात है। विद्यालयों का दायित्व है कि वे इस स्लेट पर मानवता का आलेख लिखें, केवल अंकों का हिसाब नहीं शिक्षा संस्कारों की जननी है।

**मेष राशि-** आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। आज अपने काम को आसान तरीके से करने का रास्ता मिल सकता है। नई योजना पर काम शुरू हो सकता है।

**शुभ रंग- पिच**

**वृष राशि-** आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपका रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज अपनी इच्छाशक्ति के बल पर योजनाओं पर काम कर पाएंगे।

**शुभ रंग- ग्रे**

**मिथुन राशि-** आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है।

**शुभ रंग- नारंगी**

**कर्क राशि-** आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। आज इस बात का खास ख्याल रखें की दूसरों से तभी दोस्ती करें और अपनी बातें शेयर करें। जब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उसे भली-भांति समझ लें। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता अपके बिजनेस में आपका सयोग करेंगे।

**शुभ रंग- सिल्वर**

**सिंह राशि-** आज का दिन फायदेमंद साबित होने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से भी पॉजीटिव रिजल्ट मिलेगा। सफलताएं छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी इससे आपका

# फार्स्ट फूड की मीठी लत और कड़वी सच्चाई

डॉ. शिवानी कटारा

कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से आई एक खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया। 16 वर्ष की एक किशोरी, जो लंबे समय से अत्यधिक फास्ट फूड खा रही थी, गंभीर रूप से बीमार पड़ी। डॉक्टरों के अनुसार उसकी आंतें आपस में चिपक चुकी थीं, पाचन तंत्र लगभग पूरी तरह नष्ट हो चुका था। पेट में तरल भर गया था, रक्त संचार कम हो गया था और संक्रमण आंतों से फैलकर फेफड़ों तक पहुंच गया। ऑपरेशन हुआ, लेकिन जीवन नहीं बच सका। यह घटना मात्र एक वायरल खबर नहीं, बल्कि हमारे समय के लिए एक भयावह चेतावनी है। यह हमें ठहरकर सोचने को मजबूर करती है-जिस फास्ट फूड को हम बेक्रिएट होकर खाते हैं, क्या वह वास्तव में उतना ही मासूम है, या फिर चुपचाप एक ऐसे सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है, जिसकी कीमत हम आने वाली पीढ़ियों से चुका रहे हैं? सीधे-सीधे कहें तो फास्ट फूड वही खाना है जो झटपट मिल जाए और झटपट खा लिया जाए। न अधिक इंतजार, न अधिक है समय का कमा-तज रफ्तार जीवन में लोगों के पास घर पर खाना बनाने या बैठकर खाने का समय नहीं बचा। दूसरी बड़ी वजह है हर जगह उपलब्धता। फास्ट फूड हर समय सामने है। तीसरी वजह है तीखा और लुभावना स्वाद। नमक, चीनी और तेल अधिक होता है, जो जीध और दिमाग दोनों को तुरंत आकर्षित करता है। और अंत में, सोशल फैक्टर-पार्टी, बर्थडे, आउटिंग और दोस्तों के साथ मिलने-जुलने में फास्ट फूड अब सामान्य हिस्सा बन चुका है। फास्ट फूड की लात केवल आदत का विषय नहीं, बल्कि मस्तिष्क की रसायनिकी से जुड़ा हुआ है। अत्यधिक मीठा, नमकीन और तला हुआ भोजन मस्तिष्क में 'डोपामिन' नामक रसायन का स्वाव बढ़ाता है, जो तात्कालिक सुख और संतोष का अनुभव कराता है। धीरे-धीरे मस्तिष्क उस स्वाद को उसी सुखद अनुभूति से जोड़ लेता है। यहां तक कि उस भोजन को देखने या उसके बारे में सोचने मात्र से वही प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है। तनाव, थकान, उदासी या अकेलेपन की स्थिति में व्यक्ति अनजाने में ऐसे भोजन

की ओर खिंचता है, क्योंकि वह तुरंत अच्छा लगने का एहसास देता है। यही कारण है कि फास्ट फूड धीरे-धीरे कम्फर्ट फूड बन जाता है, जबकि वास्तविकता में वह शरीर के लिए सबसे अधिक असुविधा और रोगों का कारण बनता है। फास्ट और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का प्रभाव धीरे-धीरे दिखाई देता है। प्रारंभ में गैस, एसिडिटी, कब्ज़, थकान, त्वचा की समस्याएं, दातों में केविटीज, मसूड़ों का इन्फेक्शन और एकाग्रता की कमी जैसी छोटी परेशानियां होती हैं, जिन्हें सामान्य मानकर अनदेखा कर दिया जाता है। लेकिन लंबे समय में यही आदतें मोटापा, टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, इंसुलिन प्रतिरोध और मेटाबॉलिक सिंड्रोम का कारण बनती हैं। इन खाद्य पदार्थों में फाइबर और पोषक तत्व कम, जबकि चीनी, नमक और हानिकारक वसा अत्यधिक होती है। इससे आंतों के लाभकारी जीवाणु नष्ट होते हैं, सूजन बढ़ती है और पाचन तंत्र कमजोर पड़ता है। बच्चों और किशोरों में इसका प्रभाव और भी गंभीर होता है, क्योंकि इसी अवस्था में शरीर और आदतें दोनों आकार ले रही

का सबसे बड़ा असर बच्चों और युवाओं पर दिखाई देता है। विभिन्न भारतीय अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि स्कूल और कॉलेज आयु वर्ग में फास्ट फूड का सेवन 30 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक की व्यापकता दिखाता है। अर्थात यह अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य आदत बन चुकी है। इसके बावजूद, नीति स्तर पर स्थिति चिंताजनक है। तंबाकू और शराब जैसे उत्पादों पर स्वास्थ्य चेतावनियां, कर और विज्ञापन नियंत्रण लागू हैं, लेकिन जंक फूड/फास्ट फूड — जो बच्चों के शरीर और मस्तिष्क के विकास को प्रभावित करता है, अब भी अपेक्षाकृत ढीले नियमन के दायरे में है। विधायिका और सार्वजनिक नीति विमर्श में जंक फूड और शीतल पेयों पर चर्चा का अनुपात अत्यंत सीमित पाया गया है, जो यह संकेत देता है कि बढ़ते जोखिम के बावजूद इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में पर्याप्त गंभीरता से नहीं लिया गया है, जिससे स्वाद और सुविधा के नाम पर एक गहरा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट चुपचाप आकर ले रहा है। भारतीय ज्ञान परंपरा में भोजन को केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार माना

या है। आयुर्वेद स्पष्ट कहता है कि आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य नीवन के तीन स्तंभ हैं, और इनमें आहार सर्वोपरि है। भोजन सही विधि से लिया जाए तो वह औषधि है, और गलत विधि से लिया जाए तो वही विष बन जाता है। विशुद्ध आहार—जैसे ठंडे पेय के साथ लाला-मसालेदार भोजन—को आयुर्वेद ने सदियों पहले ही रोगों का कारण बताया था। शांत स्थान पर, उचित समय पर, आत्म-परीक्षण के साथ भोजन करने में सीख आज भी उतनी ही सांसारिक है। विडंबना यह है कि जेस देश में इतनी स्पष्ट आहार-स्थिति उपलब्ध है, वहीं आधुनिक नीति निर्माण में भोजन को केवल जाजार का विषय बना दिया गया है, स्वास्थ्य और संस्कृति का नहीं। अब समय आ गया है कि कास्ट फूड को केवल व्यक्तिगत संसद कहकर पल्ला न ज्ञाड़ा जाए। यह एक नीति-स्तरीय मुद्दा है। बच्चों को लक्षित जंक फूड विज्ञापनों पर सख्त नियंत्रण, कूलों के आसपास फास्ट फूड बेक्री पर नियमन, स्पष्ट पोषण वितावनियाँ, और जन-जागरूकता अधियानों को अनिवार्य बनाना—सब विकल्प नहीं, आवश्यकता ही।

शुभ रंग- पीला

तुला राशि- आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। करीयर को बढ़ाने में किये गये प्रयासों के चलते लाभ होगा। आज अपने पिय व्यक्ति की निकटता से आपको खुशी होगी। आज आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। संतान की सफलता के कारण, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा।

शुभ रंग- गुलाबी

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए व्यस्ता से भरा रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप सामाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। आज परिस्थितियों को ठीक से देखेंगे तो हर एक समस्या को हल कर पाएंगे।

धनु राशि- आज का दिन नई ऊर्जा लेकर आया है। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायेंगे तो आपकी रचनात्मक प्रतिभा सबके सामने खुलकर आएगी, लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ जायेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। महिलाओं को घर के कार्यों से राहत मिलेगी। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा।

मकर राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुये धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दावापत जीवन में और मधुरता आएगी। आज गलत विचारों को दूर करके खुद में सुधार करेंगे और गलत संगत से बचेंगे। आज क्रोध को नियंत्रित करने की कोशिश करें।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज काम के हिसाब से फल मिलेंगे। जिस बड़े लक्ष्य को पूरा करने की इच्छा है, उससे संबंधित रास्ता मिलेगा। आपके काम पर अंतिम परिणाम निर्भर करेगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेंगी आप सामान की खरीदारी करने मार्केट जा सकते हैं। एट्रेंस एंजाम की तैयारी कर रहे छात्रों का समय अनुकूल है मेहनत के अच्छे परिणाम आपको हासिल होंगे।





टॉकिसक से कियारा के बाद हुमा कुरैशी  
का फर्स्ट लुक आउट, कब्रिस्तान में  
चौकस खड़ी दिखी एवट्रेस,  
यश की फिल्म में निभाएंगी एलिजाबेथ का किरदार।

टॉकिसकः ए फेयरीटेल फॉर थोन-अप  
को लेकर उत्सुकता और ब  
गई है, क्योंकि मेर्कर्स  
कियारा आडवाणी न  
बाद एक और किरदार  
से पर्दा हटाया है औ  
वो कोई और नहीं  
बल्कि दिल्ली  
क्राइम सीजन  
की फेम एक्ट्रेस  
हुमा कुरैशी न  
दिल्ली क्राइम  
सीजन 3 न  
बाद बॉलीवुड  
एक्ट्रेस हुमा  
कुरैशी 3  
यश 3  
कियारा

अप्स में नजर आने वाले हैं. मेर्कर्स ने हुमा का शानदार फर्स्ट लुक जारी किया है, जिसकी देख लोगों की उत्सुकता बढ़ गई है. पिछले कुछ साल में, हुमा कुरैशी ने फिल्म और सीरीज में शानदार काम किया है. हार्ड हिटिंग ड्रामा, बेबाक कहानियां डार्क थिलर और मेनरस्ट्रीम फिल्मों में उनके किरदार को काफी सराहा गया है।

बाक्स ऑफिस पर तीसरे दिन भी फुर्रस तू मेरी मै  
तैरा..., नहीं निकल पाएगा भारी-भरकम बजट

कार्तिक आर्यन की हालिया रिलीज फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी न उतर पा रही है। रिलीज के शुरुआती दिनों में ही फिल्म की रफ्तार थमती नजर आ रही है और तीसरे दिन की कमाने ने निर्माताओं की चिंता और बढ़ा दी है। हालत ये है कि फिल्म के लिए भारी-भरकम बजट की भरपाई होना मुश्किल माना जा रहा है। तीसरे दिन भी इसे बॉक्स ऑफिस पर कोई बढ़त नहीं मिली। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे फिल्म तू मेरी मैं तेरा तू मेरी के साथ क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में आए। धुरंधर के सामने उनकी इस फिल्म को घेरेलू बॉक्स ऑफिस पर मूँह की खानी पढ़ी। फिल्म ने तीसरे दिन भी 5.25 करोड़ रुपये की ही कमाई की, जबकि दूसरे दिन भी इसका कारोबार इतना ही रहा था। भारत में 3 दिन में ये फिल्म महज 18.25 करोड़ रुपये कमा पाई है। कार्तिक और अनन्या की इस फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। कहानी के सामने आते साफ हो गया था कि फिल्म सिनेमाघरों में ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाएगी और इसका असर शनिवार की कमाई पर भी दिखा। उम्मीद है कि रविवार को कारोबार कुछ बढ़े। फिल्म का बजट करीब 90 करोड़ रुपये है और हिंदू होने के लिए इसे लगभग 180 करोड़ रुपये कमाने होंगे, जो फिलहाल तो काफी मुश्किल नजर आ रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर 700 करोड़ी बनी रणवीर सिंह की फिल्म धूरंधर, गदर 2 को किया चारों खाने चित



# इस छुट्टियों के सीज़न में प्रोजेक्ट्स की शॉटिंग में व्यस्त रहेंगी अभिनेत्री इशिता राज

# इस छुट्टियों के सीज़न में प्रोजेक्ट्स की शूटिंग में व्यस्त रहेंगी अभिनेत्री इशिता राज

A woman with long, wavy brown hair, wearing a light-colored, patterned strapless dress and large, ornate gold earrings, posing against a light-colored, draped background.

पहुँचाना है। इशिता राज ह्यूमन कॉर्पोरेशन में एक डार्क और पहले कभी न देखे गए अवतार में दर्शकों को चौकाने के लिए पूर्ण तरह तैयार हैं। इससे पहले वह प्यार का पंचनामा, प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्टीटी, वाइल्ड वाइल्ड पंजाब जैसी लोकप्रिय फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकी है। ह्यूमन कॉर्पोरेशन और आवेदन वाले कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स वेब साथ, यह साफ है कि अभिनेत्री इस साल का समापन एक शानदार और ऊँचे नोट पर कर रही है।

# विजय थलापति की फैन गर्ल हैं मालविका मोहनन, उन्हें बताया खास इंसान



थलपति फैन गत हूं। मालविका विजय के साथ साल 2021 में आई फिल्म मास्टर में साथ का कर चुकी हैं, जिसमें वह विजय के साथ मुख्य भूमिका में थीं। उस फिल्म विजय सेतुपति भी हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल थी। मालविका विजय को विजय सर कहकर सम्मान देती है। दोनों के बीच दोस्ती का अच्छा बॉन्ड है। वहीं, जन नायगन थलपति विजय की 69वीं फिल्म है और इसे उनकी आखिरी फिल्म माना जा रहा है, क्योंकि इसके बाद वे पूरी तरह राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे। फिल्म का निर्देशन एच विनोद कर रहे हैं और इसमें पूजा हेंगड़े लीड एक्ट्रेस हैं। फिल्म में बॉबी देओल भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। जानकारी के अनुसार फिल्म 9 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। फिल्म का गैंड ऑफियो लॉन्च मलेशिया के कुआलालंपुर में निर्धारित है। मालविका मोहनल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों में व्यस्त हैं। वह प्रभास के साथ द राजा साब में नजर आएंगी, जो रिलीज को तैयार है।

धनंजय अभिनीत पैन वर्ल्ड हिस्टोरिकल फिल्म हलागली का पहला लुक और टीज़र जारी

प्रसिद्ध कन्नड अभिनेता धनंजय ने निर्देशक सुकेश डीके के साथ मिलकर एक उच्च-स्तरीय, विश्वव्यापी सिनेमाई फिल्म हलागली बनाई है। कल्याण चक्रवर्ती धूलिपल्ला द्वारा दुहार मूवीज के बैनर तले निर्मित, यह महाकाशी परियोजना बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है, जो दो भागों में और पाँच भागों - कन्नड, तेलुगु, तमिल, मलयालम और हिंदी - में प्रदर्शित होगी। हलागली बेदार समृद्धाय की अनकही गाथा को सामने लाती है, जो ब्रिटिश औपनिवेशिक ताकतों के खिलाफ अपने भीषण गुरुल्ला युद्ध के लिए जाने जाते हैं। प्रतिरोध और विद्रोह की पृष्ठभूमि पर आधारित, यह फिल्म वीरता और विरासत से ओतप्रोत एक मनोरंजक ऐतिहासिक महाकाव्य होने का वादा करती है। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया है, जिसमें धनंजय का प्रभावशाली और प्रखर अवतार लोगों को प्रभावित कर रहा है। पहले भाग का शीर्षक है: हथियारों की लड़ाई, जो प्रतिरोध की एक प्रचंड कहानी की शुरुआत करता है। पोस्टर के साथ, फिल्म का टीजर भी जारी किया गया है, जो फिल्म की पृष्ठभूमि की एक सशक्त झलक पेश करत है। धनंजय एक क्रांतिकारी नेता की भूमिका में है, जो निर्दराता से ब्रिटिश शासन को चुनौती दे रहे हैं। एक चरमोत्कर्ष पर, वह ब्रिटिश झंडे पर भाला फेंकते हैं, जो जमीन पर गिर जाता है - इस दृश्य में उनका चेहरा दिखाइ देता है जो एक अमिट छाप छोड़ता है। टीजर में धनंजय के किरदार को एक कट्टर देशभक्त और प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में पेश करते हुए, उनके इंद-पिंट जोरदार उभार बनाए गए हैं। इस किरदार के लिए अभिनेता ने पूरी तरह से शारीरिक परिवर्तन किया है, जिससे उनके अभिनय में प्रामाणिकता और तीव्रता आई है। दृश्य अद्भुत हैं, और साथ ही एक जबरदस्त बैकग्राउंड स्कोर भावनात्मक और नाटकीयता को और भी बढ़ा देता है। विश्वस्तरीय प्रोडक्शन वैल्यू के साथ, हलागली भारतीय सिनेमा में एक प्रभावशाली बयान देने के लिए तैयार है, जो सिनेमाई चमक के साथ इतिहास के एक कम-ज्ञात अध्याय पर प्रकाश डालती है। टीजर ने निश्चित रूप से फिल्म के लिए उच्च उम्मीदें जगा दी हैं। धनंजय के लिए, यह प्रोजेक्ट निजी है। इतिहास ने मुझे हमेशा से आकर्षित किया है, लेकिन हलागली खास है क्योंकि यह हमारी मिट्टी, हमारे लोगों और उनके साहस के बारे में है। आजादी के लिए लड़ने वाले योद्धा की भूमिका निभाना सम्मान और जिम्मेदारी दोनों हैं, वे बताते हैं। उनका पहला तुक उस भावना को दर्शाता है—एक नंगी छाती वाला योद्धा, जख्मों से भरा लेकिन खतरनाक, पारंपरिक पोशाक पहने और युद्ध की कुल्हाड़ी थामे, बंदूकों के निशाने पर डटा हुआ, जबकि उसके साथी पीछे-पीछे इक-। हो रहे हैं। निर्माता कल्याण चक्रवर्ती, जिन्होंने पहले 20 से ज्यादा कन्नड़ और तेलुगु फिल्में वितरित की हैं, हलागली को एक ऐसी कहानी के रूप में देखते हैं जो दुनिया भर में फैल सकती है। वे बताते हैं, कन्नड़ इंडस्ट्री भले ही छोटी हो, लेकिन केजीएफ जैसी फिल्मों ने साबित कर दिया है कि हमारी संस्कृति में रची-बसी सशक्त कहानियाँ दुनिया भर तक पहुँच सकती हैं। हम चाहते हैं कि हलागली भी ऐसा ही करे, कर्नाटक के योद्धाओं के जज्बे को प्रदर्शित करे। विश्वल ग्रामीण सेट, बारीकी से डिजाइन किए गए परिधानों और सटीकता से रची गई परंपराओं के साथ यह फिल्म प्रामाणिकता का वादा करती है। संगीत वासुकी वैभव का है, जबकि केजीएफ के लिए प्रसिद्ध राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता स्टंट निर्देशक विक्रम मोर एवशन का जिम्मा संभालेंगे। सप्तमी गौड़ा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, और विशेष रूप से चुनी गई जगहों पर आधे से ज्यादा शूटिंग पूरी हो चुकी है, इसलिए हलागली एक भव्य तमाशा बनने जा रही है। इस बीच, धनंजय का कैलेंडर काफी व्यस्त है। हलागली के अलावा, उनके पास शंकर गुरु द्वारा निर्देशित अन्ना फ्रॉम मेकिंग्स, रोहित पदकी के साथ उत्तराखण्ड, हैमंत एम राव के साथ 666 ऑपरेशन ड्रीम एप्टर और शासांक सोहगल द्वारा निर्देशित जिंगों जैसी फिल्में भी हैं, जो उन्हें आज इंडस्ट्री के सबसे व्यस्त अभिनेताओं में से एक बनाती हैं।



# Mizoram marks transformative 2025 with rail link, full literacy tag

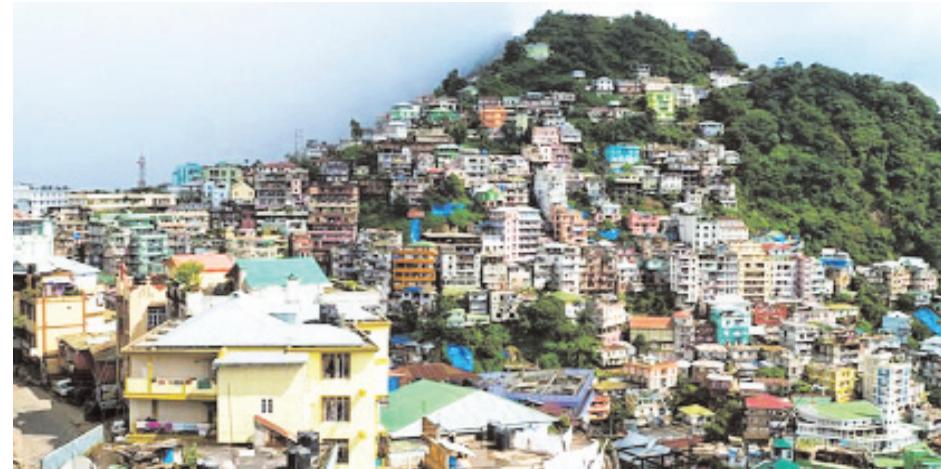
**New Delhi, Agency:** From being declared India's first fully literate state to getting rail connectivity, Mizoram witnessed transformative infrastructure gains and achieved key social milestones in 2025.

Mizoram was declared the country's first fully literate state on May 20, with a literacy rate of 98.2 per cent. The achievement reflected decades of community-driven efforts in education, building on a legacy that began with the establishment of the first school in 1894 by Christian missionaries.

The state had recorded a literacy rate of 91.33 per cent in the 2011 Census.

With the inauguration of the Bairabi-Sairang railway line, Mizoram found a place on the national railway map.

Prime Minister Narendra Modi inaugurated the over Rs 8,000-crore project on September 13, describing it as one of the most challenging railway works undertaken in the country. The line connected Aizawl with



the national rail network for the first time, 38 years after Mizoram attained statehood and 78 years after Independence, making it the fourth northeastern state capital to be rail-linked.

In March, the long-pending demand for relocating the Assam Rifles unit from the congested heart of Aizawl was fulfilled, with bases shifted to Zokhawsang, about 15 km east of the capital.

Union Home Minister Amit Shah

termed the move a milestone for Mizoram's development and a gesture of the Centre's responsibility towards the Mizo people.

On the economic front, Mizoram earned national recognition in November when NITI Aayog declared it the "Ginger Capital of India".

Ginger remains the state's flagship crop, supported by the ZPM government's 'Bana Kain' handholding scheme, which provides mini-

mum support prices for select agricultural produce.

The Laldohoma government, which completed two years in office, also rolled out the Mizoram Universal Health Care Scheme (MUHCS) in March, offering cashless treatment with coverage of up to Rs 5 lakh per family annually.

Officials said nearly 60,000 beneficiaries have availed treatment under the scheme, with healthcare expenditure crossing Rs 100 crore.

However, the year was not without challenges.

Mizoram began 2025 amid strong opposition to the Centre's decision to regulate movement along the 510-km Indo-Myanmar border, replacing the Free Movement Regime with a border pass system. Civil society organisations staged repeated protests against the new protocol and the proposed fencing of the border.

The state continued to shoulder a heavy humanitarian burden, hosting around 31,000 refugees from Myanmar who fled after the 2021

military coup. Fresh violence in July led to the arrival of over 3,000 more people.

Mizoram also sheltered more than 2,000 refugees from Bangladesh's Chittagong Hill Tracts and nearly 7,000 people displaced by ethnic violence in Manipur.

Political tensions flared over the adoption of the Forest (Conservation) Amendment Act by the state assembly in August, triggering widespread protests and a statewide shutdown called by the opposition Mizo National Front (MNF) in October.

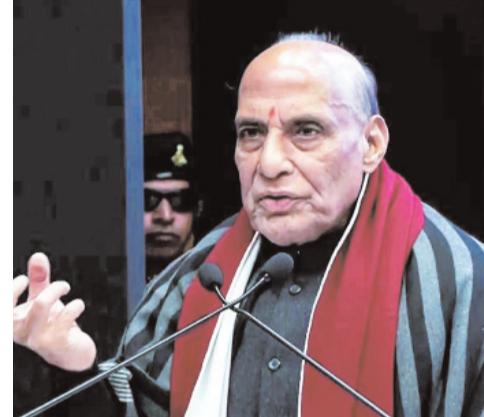
The dilapidated condition of NH-6/306, Mizoram's main lifeline, led to repeated strikes by transporters, disrupting supplies during the monsoon months.

Natural and animal health crises also hit the state.

A rodent outbreak linked to bamboo flowering damaged crops across all 11 districts, while African swine fever continued to devastate the piggy sector, affecting thousands of families.

## Missiles, radars, rockets

# MoD clears Rs 79K-cr purchase



**New Delhi, Agency:** The Ministry of Defence (MoD) on Monday approved the procurement of rockets, ammunition, missiles, radar systems and military platforms worth Rs 79,000 crore to bolster the military's capabilities.

The decision was taken by the Defence Acquisition Council (DAC), the apex decision-making body of the ministry, chaired by Defence Minister Rajnath Singh.

The DAC accorded 'acceptance of necessity' — the first step of the procurement process — for various proposals of the three services.

For the Army, the DAC approved the procurement of loitering ammunition to be provided to artillery regiments for precision strikes at tactical targets.

New low-level light-weight radars will aid in tracking enemy missiles, drones and low-flying UAVs. The

## Delhi groom forgets 'sindoor' on wedding day, watch Blinkit come to the rescue



**New Delhi, Agency:** In a hilarious turn of events, a Delhi wedding ceremony was saved by the quick thinking of the groom's family and, of course, Blinkit!

The bride and groom, Pooja and Hrishi, realised they had forgotten the essential sindoor (vermilion) after the pheras, leaving everyone in an awkward silence.

But panic mode wasn't an option! The family sprang into action, placing an urgent order on Blinkit.

And just like that, the delivery arrived, and the ceremony continued without a hitch.

The groom completed the ritual to thunderous applause, and the guests breathed a sigh of relief.

### The Internet loves it

The video, shared on Instagram, went viral, with users calling Blinkit delivery executives "silent superheroes". Many

shared their own stories of quick-commerce apps saving the day at family events.

"This happened at my devar's wedding in Gujarat too, and the blinkit guy delivered it," one user wrote.

"Bro missed his filmy 'khoon se maang barunga' hero moment for real," another joked.

"Imagine doing a destination wedding outside India and realising they don't have Blinkit," a third added.

# DRDO tests 120-km Pinaka guided rocket



**New Delhi, Agency:** The Defence Research and Development Organisation (DRDO) on Monday conducted the maiden flight test of the Pinaka Long Range Guided Rocket (LRGR-10).

The new rocket system is capable of striking targets up to 120 km, extending the range of the existing Pinaka rockets, which have a maximum range of about 80 km.

The test was successfully carried out at the Integrated Test Range (ITR), Chandipur, Odisha. "The rocket was tested for its maximum range of 120 km, demonstrating all in-flight manoeuvres as planned. The LRGR impacted the target with

radios to enhance long-range secured communication during boarding and landing operations.

Also leasing of high-altitude long-range UAVs will ensure continuous intelligence, surveillance and reconnaissance and credible awareness over the Indian Ocean region.

For the Indian Air Force, the DAC approved the acquisition of Astra Mark -II missiles and SPICE-1000 long-range guidance kits.

The Astra missiles with enhanced range will increase the capability of the fighter aircraft to neutralise adversary from a large standoff range.

The SPICE-1000 is an Israel-origin kit which is strapped onto a bomb that is dropped from a plane and the guidance kit takes it to the target.

The DAC has cleared a simulator for the Light Combat Aircraft Tejas to augment pilots' training in a cost-effective and safe manner.

"In the process of investigation, after the registration of the case, the relevant CCTV footage

## Air India Express pilot accused of hitting passenger arrested



**New Delhi, Agency:** The Delhi Police has arrested an off-duty Air India Express pilot accused of assaulting a passenger at the Indira Gandhi International (IGI) Airport, an officer said on Tuesday.

Captain Virendra Sejwal had earlier joined the probe and was questioned by the investigating officer, the officer said.

"In the process of investigation, after the registration of the case, the relevant CCTV footage

had been collected and statements recorded.

The accused was also called for questioning, and his arrest was effected," the officer said in a statement.

Sejwal has been booked under sections 115 (voluntarily causing hurt), 126 (wrongful restraint) and 351 (criminal intimidation) of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) in connection with violence near the security checkpoint of Terminal 1 on December 19.

## Tripura student killing NHRC issues notice to Dehradun DM, SSP

**Dehradun Agency:** The NHRC has sent a notice to the Dehradun district magistrate and the SSP over the alleged racially charged killing of a student from Tripura in the Uttarakhand capital.

The National Human Rights Commission has directed the Dehradun authorities to investigate the allegations and has sought an action taken report within seven days.

The commission has asked for a copy of the case proceedings to be sent to the Uttarakhand chief secretary and the director general of police.

"Additionally, the authorities are directed to ensure safety of the students of North Eastern region in the entire state," it says.

Anjel Chakma, 24, a final-year MBA student at a private university in Dehradun, was allegedly attacked by some youngsters with a knife and a bracelet on December 9. He died on December 26, after being in a hospital for 17 days.

His father, a BSF jawan currently

posted in Tangjeng in Manipur, alleged that his son was "brutally attacked" when he tried to defend his brother, who was called "Chinese" by the attackers. The assailants called his sons "Chinese momo" and abused him, the father of the victim told PTI over the phone. Anjel told them that he "was also Indian, not Chinese," but they attacked him with knives and blunt objects, the father said. According to the proceedings, a bench of the NHRC, presided by its member Priyank Kanoongo, has taken cognisance under section 12 of the Protection of Human Rights Act, 1993. The complainant has alleged

that the student from the Tripura region was brutally attacked and killed in Dehradun, in a "racially motivated incident" while studying outside his home state.

According to the complaint, the person was "targeted with racial slurs and assaulted after asserting his identity as an Indian citizen", reads the proceedings.

"The incident has caused nationwide outrage and is stated to reflect deep-rooted racial discrimination against people from the North-East, failure of local authorities to prevent the violence, and lack of adequate protection mechanisms," it adds.

The complainant alleged that the incident amounts to a "serious violation" of the victim's right to life, dignity, and equality.

The complainant had sought the intervention of the NHRC in the matter and requested urgent intervention, accountability, and systemic measures to prevent such hate-based crimes, the proceedings says.

textbook precision," the Ministry of Defence said. The LRGR was launched from an in-service Pinaka launcher, demonstrating the system's versatility and its ability to fire Pinaka variants of different ranges from the same platform.

All deployed range instruments tracked the rocket throughout its trajectory. The LRGR has been designed by the Armament Research and Development Establishment (ARDE) in association with the High Energy Materials Research Laboratory (HEMRL), with support from the Defence Research and Development Laboratory (DRDL) and Research Centre Imarat (RCI).

## Snowfall in Shimla, Manali

Himachal Pradesh braces for 'white New Year', tourist influx surges

**Manali, Agency:** Tourists from across the country, including Punjab, Chandigarh and Haryana, are flocking to Himachal Pradesh to celebrate the New Year, hoping to catch a glimpse of snowfall in popular destinations like Shimla and Manali. The India Meteorological Department (IMD) has predicted snowfall in several parts of the state, including Shimla's higher reaches, Lahaul Spiti, Chamba, Kinnar, Kullu, and Kangra, making it a perfect setting for a 'white New Year'. Kullu district is expected to receive good snowfall from the night of December 30 to December 31, with the possibility of snowfall continuing in the upper mountains on January 1 and 2. The tourist season is currently at its peak, with thousands of vehicles arriving daily in Shimla and Manali.